

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट के एक सही फैसले की गलत व्याख्या क्या महिलाओं को है कई संबंधों का अधिकार

बहुत साल पहले प्रोतिमा बेदी का इंटरव्यू पढ़ा था। उन्होंने कहा था कि कबीर बेदी से उनकी शादी इसी शर्त पर हुई थी कि उन दोनों के जीवन में कोई बंधन नहीं होगा। हालांकि यह शादी बहुत दिनों तक चल नहीं सकी थी। यदि हम यह मान भी लें कि स्थियां और पुरुष चाहे जितने संबंध रखें तो चलेगा, तो इस 'चलेगा' में यह कोई नहीं बताता कि ऐसे संबंधों में आज भी सारी मसीबतें महिलाओं के हिस्से ही आती हैं। डाक्टरों का कहना है कि मल्टीपल पार्टनर्स का मतलब है, तमाम तरह के यौन रोग। इसके अलावा परिवार में यदि बच्चे हैं, तो उन्हें कैसे संभालेंगे? यदि यदि ऐसे संबंधों से कोई संतान हो, तो उसका पालन-पोषण कैसे होगा। पिछले दिनों यह खबर आई कि दिल्ली से गोरखपुर जा रही युवती को जब रास्ते में प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो अलीगढ़ स्टेशन पर उतारकर पुलिस उसे अस्पताल ले जाने लगी। रास्ते में ही उसने बच्चे को जन्म दिया। अस्पताल पहुंचकर उसने बच्चे को अपनाने से इन्कार कर दिया। उसका कहना था कि वह अकेली है और बेरोजगार भी। एक बच्चा जो इस दुनिया में आने के लिए जिम्मेदार नहीं है, वह मातापिता के होते हुए भी अनाथ हो गया। यह कहानी तो प्रकाश में आ गई, लेकिन ऐसी कहानियां अपने यहां हर रोज बनती हैं। महिलाओं को इस तरह के संबंधों का सारा बोझ उठाना पड़ता है। इस मामले में उनकी स्थिति बहुत दयनीय है। हाल में उच्चतम न्यायालय ने यह फैसला दिया कि गर्भपत के लिए यह नहीं देखा जाना चाहिए कि लड़की शादीशुदा है या नहीं। यह उसका अधिकार है कि वह बच्चे को जन्म देना चाहती है या नहीं? यह फैसला अच्छा है कि कम से कम वे बच्चे नहीं जन्मेंगे जो या तो कूड़े के ढेर पर फेंक दिए जाते या अनाथालय में पलते हैं। जबसे यह फैसला आया है, तबसे अंग्रेजी मीडिया में तमाम साधन-संपन्न महिलाएं इसके पक्ष में लिख रही हैं। वे कह रही हैं कि इस फैसले से शरीर पर उनका अधिकार सिद्ध हुआ है। वे शादीशुदा हैं या नहीं, इससे उनके यौन जीवन पर सवाल करने का अधिकार किसी को नहीं है। इन महिलाओं के ऐसे लेखों से कोई आश्चर्य नहीं, क्योंकि जिनके पास पढ़ और पैसे की ताकत है, वे हर बात को अपने पक्ष में मोड़ सकते हैं। हालांकि ऊपर जैसा उदाहरण एक अविवाहित युवती का दिया गया, वैसी स्थितियों से जाने कितनी लड़कियां गुजरती हैं। अपने देश के दूरदराज गाले इलाकों में न तो इतनी चिकित्सा सुविधाएं हैं, न ही लोगों का सोच हीं कि वे लड़कियों के अविवाहित होने या शादीशुदा होने पर किसी और के बच्चे के गर्भपत कराने को मानवीय दृष्टि से देख सकें। अक्सर जब कोई अविवाहित लड़की ऐसे दुष्घटकों की ओर बढ़ती है, तब उसकी जीवन से गुजरना पड़ता है। कई बार तो अपनी जान भी दे देती है। ऐसे विचारों से उन लंपट लोगों की भी बन आती है, जो अपने जाल में लड़कियों और विवाहित महिलाओं को फँसाते हैं। फिर उनके वीडियो बनाकर भी तरह-तरह से ट्रैक्मेल करते हैं। कोई कह सकता है कि चूंकि समाज का सोच ऐसा है कि पुरुष महिलाओं को परेशान करते हैं, तो क्या अपने प्रगतिशील सोच को बदल दिया जाए। कानून में कोई सुधार ही न हो। दरअसल, बात हीं यही है कि सिर्फ कानूनों से आगर समाज बदलता होता तो अब तक दहेज और घरेलू हिंसा तथा यौन प्रताड़ना कब की खत्म हो गई होती, लेकिन हम देखते हैं कि जैसे-जैसे ब्रांड का जोर बढ़ा है, तरह-तरह के उत्पाद बाजार में आए हैं, तो वे सबके सब दहेज में जुटते चले गए हैं। यह देखना भी कोई कम दिलचस्प नहीं कि एक ओर तलाक बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर यह सोच कि शादी तो जीवन में एक बार ही होती है, इसलिए ऐसी होनी चाहिए कि कभी किसी की न हुई हो। ये 'कभी नहीं हुई हो' का सोच ऐसा है कि शादियों के खर्च का बोझ उठाते माता-पिता की कमर टूट जाती है। वे कर्ज के ऐसे मकड़ाजाल में फँस जाते हैं कि जीवन भर उससे पार नहीं पा पाते। इसकी कीमत परिवारों को लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। अगर महिला अपने शरीर पर अपना अधिकार जताती है, तो यह उसका हक भी है, लेकिन यह भी सोचा जाना चाहिए कि संसार में हम अकेले नहीं होते। हमेशा दूसरों के साथ चलना पड़ता है। फिर चाहे वह घर हो या दफ्तर। जितनी जगह हमें चाहिए, उतनी ही दूसरों को देनी पड़ती है। यदि कोई महिला अपने तमाम संबंधों को अपना अधिकार समझती है, तो वह उन पुरुषों को भी कैसे रोक सकती है, जो उसके आसपास हैं। कई राज्यों में विधानसभा उपचुनाव होने जा रहे हैं। इसके बाद दिसंबर में गुजरात और हिमाचल वें विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। कई राज्यों में पंचायत और नगर निकाय के चुनाव होने हैं। इस प्रकार देखें तो भारतीय राजनीति चुनावमय हो गई है। क्या चुनाव ही अभीष्ट है? क्या नेताओं, दलों और जनता के पास और कोई काम नहीं? क्या दलों का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना मात्र है? लोकतंत्र और राजनीति का अति-चुनावीकरण वर्जित है। प्रख्यात विर्धिवेत्ता नानी पालकीवाला के अनुसार, 'चुनाव लोकतंत्र की धड़कन है। यदि वे बहुत जल्दी-जल्दी होते हैं या बहुत देर में होते हैं, तो दोनों ही खतरे का संकेत है।' हमारे लोकतंत्र में हर समय चुनाव होना खतरे की घंटी तो नहीं जब लोकतंत्र सत्तामूलक और चुनाव केंद्रित है, तब नेताओं का ध्यान शासन में कैसे लगेगा वे हमेशा चुनाव में व्यस्त रहते हैं। जिन दलों के पास अपना कैंडर नहीं, उनकी

नई तरह की राजनीति के इंतजार में
देश, प्रलोभन देकर वोट हासिल करने
के तरीके में लाजा होगा बदलाव

मुख्यमण्डप बालाजी बनाम तमिलनाडु राज्य मामले में 5 जुलाई, 2013 को सर्वीच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह आर्द्धश्च आचार संहिता में ऐसा प्रविधान करे, जिससे राजनीतिक दल अनर्गल लोकलुभावन प्रोषणाएं न करें। न्यायालय ने कानून बना कर राजनीतिक दलों पर नियव्रण का भी सुझाव दिया। आयोग ने सभी दलों से परामर्श कर 2013, 2014, 2015 और 2019 में कुछ कदम उठाए, केंव्र वे अपर्याप्त रहे। बीते दिनों राजनीति से जनता, अर्थव्यवस्था और राजनीतिक दलों का भी नुकसान होता है। सत्ता लोभ में वे नहीं देखते कि संसाधन कहां से आएंगे क्या जनता उसका बोझ सह पाएगी जैसे-जैसे नेता और दल जनता को मुफ्तखोरी की लत लगाएंगे, वैसे-वैसे मुफ्तखोरी की उसकी भूख बढ़ती जाएगी। फिर कोई मेहनत क्यों करेग जो समाज मेहनतकश नहीं, वह आगे कैसे बढ़ेगा ऐसे में दलों को जनता में परिश्रम-परुषार्थ के संस्कार प्रतिरोधित करने

A collage of various Indian political party flags, including the Tricolor, Congress, BJP, and others, set against a background of people holding flags and banners.

आयोग ने इस संबंध में नए प्रस्तावों पर सभी दलों से 19 अक्टूबर तक राय मांगी है। लगता है आम आदमी पार्टी ने 'तमिलनाडु माडल' अपना केलेया है। मुफ्तखोरी वाली योजनाओं के दम पर पहले दिल्ली और फिर पंजाब में अपनी सरकार बनाई। मुफ्तखोरी की राजनीति उसी तरह घातक है, जैसे परीक्षा में नकल करके पास होना। नकल से अंतः छात्र का ही वरकाम होता है। पारंपरिकी की

उत्थापन एवं विकास पर करना चाहिए। आम आदमी तो बहुत स्वाभिमानी है। उसे मुफ्तखोरी का आदा मत बनाइए। पाठ्यांशासन करें, विकास करें, लोक कल्याण करें और गरीबों के प्रति संवैधानिक दायित्वों का निर्वाह करें, लेकिन जनता के आत्मसम्मान पर आघात कर उसे समाप्त न करें। आज राजनीतिक दलों के पास ऐंडेंडो

का अकाल है। उनका ध्यान सत्ता प्राप्त करने या सत्तारूढ़ दल को गिराने पर है। वे नहीं बताते कि सत्ता मिलने पर उनके पास विकास की क्या वैकल्पिक योजना होगी उनके पास कितने योग्य लोग हैं अधिकांश दलों में आपराधिक किस्म के लोगों की आवक हो रही है, जो केवल अपना हित चाहते हैं। उन्हें न अपने कार्य का तात्पूर्ति न ही रखें कोई रुचि।

**शिवसेना का चुनाव चिन्ह हो सकता है फीज, दुनिया
विश्वयुद्ध के करीब- बाइडन का बड़ा बयान**

A composite image consisting of two black and white portrait photographs. The upper photograph shows a man with dark, wavy hair and a mustache, wearing glasses and a light-colored shirt. The lower photograph shows an older man with white hair, wearing a dark suit jacket over a white shirt.

The image is a vertical composite. The top half is a portrait of a man with a dark beard, wearing glasses and a red tilak on his forehead. The bottom half shows a soldier in full military gear, including a helmet and camouflage uniform, standing next to a massive, bright orange and yellow explosion or fire.

A composite image consisting of two vertically stacked photographs. The top photograph shows a man with a beard and glasses, wearing a light-colored shirt, looking down. The bottom photograph shows a man with short hair, wearing a dark suit and tie, looking directly at the camera. The background of the bottom image is a blurred landscape.

वनडे करियर की बेस्ट पारी भी खेल डाली और इस पारी के दम पर उन्होंने पूर्व दिग्जाज ब्लैबाज राहुल द्रविड़ और रिषभ पंत के रिकाई को भी तोड़ दिया। रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत में डिजिटल मुद्रा का परीक्षण करने के लिए सीमित उपयोग के साथ जल्द ही ई-रुपये का पायलट लॉन्च शुरू करेगा। सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी पर एक कॉन्सेप्ट नोट में आरबीआई ने कहा कि इस तरह के पायलट लॉन्च की सीमा और दायरे का विस्तार होने के सार्थीघ समय-समय पर ई-रुपये की विशेषताओं और लाभों के बारे में जानकारी देता रहेगा। वंदे भारत एक्सप्रेस शुक्रवार को फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस बार ट्रैक पर गाय आ गई। इससे पहले गुरुवार को ट्रैक पर भैंसों का झुंड आ गया था। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई से करीब 432 किलोमीटर दूर आणंद के पास शुक्रवार दोपहर 3.48 बजे गांधीनगर-मुंबई वंदे भारत एक्सप्रेस गाय से टकरा गई। ट्रेन को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। ट्रेन के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है। सभी यात्री सुरक्षित हैं। प्रभास और सैफ अली खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'आदिपुरुष' पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर के बाद तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। वो सोशल मीडिया पर खुलकर फिल्म का विरोध कर रहे हैं। इसी बीच आदिपुरुष का डायलॉग लिखने वाले मशहूर गीतकार मनोज मुंतशिर अब फिल्म के बचाव में उतर आए हैं। उनका कहना है कि फिल्म में कुछ भी गलत नहीं है फिर यह हंगामा क्यों।

निर्माणपरक कार्यों में गुणवत्ता
से कोई समझौता न किया जाय
अन्यथा होगी कार्यवाही

जिलाधिकारी डा० नितिन बंसल की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में शासन की विकास प्राथमिकता गवाले कार्यक्रमों, 50 लाख रुपये से अधिक लागत की परियोजनाओं एवं कायीको के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। इसमें परियोजना निदेशक डी०आर०डी०ए०आर० सी० शर्मा, जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, मुख्य चिकित्साधिकारी डा० जीएम शुक्ला, डीसी एनआरएलएम एन०एन० मिश्रा, जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश सिंह सहित

कराना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा करते हुये पीओ डूडा को निर्देशित किया गया कि पूर्व में बने हुये डीपीआर के अनुसार अवशेष आवासों को पहले प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाये। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों में कायाकल्प योजना के अन्तर्गत पेयजल, बालक एवं बालिका शौचालय तथा फर्श मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार जिन विद्यालयों में सुविधा नहीं है वहां पूर्ण कराया जाये। सहकारी समितियों में कायाकल्प

चेकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया के गो आश्रय स्थलों की निरन्तर नेगरानी करते रहे, गो संरक्षण केंद्रों पर चारा, पानी, प्रकाश, पशुओं के स्वास्थ्य आदि की समुचित व्यवस्था बनाये रखे। मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के तहत गोवंश के पशुपालक को समयानुसार धनराशि भेजा जाये। मुख्य पशु चेकित्साधिकारी ने बताया है कि जून तक पेमेन्ट हो चुका है आगे की कार्यवाही की जा रही है। लम्पी की अटिका पशुओं को लगाया जा रहा है। स्वरोजगार योजना की समीक्षा करते कार्यदायी संस्थाओं द्वारा दी गयी अनुपालन आख्या सन्तोषजनक निर्देशित किया गयी कार्यदायी संस्थायें जांच रिपोर्ट में गयी कामियों को दूर कराकर अनुपालन आख्या जिला अर्थ एवं संख्याधिक के माध्यम से उपलब्ध करारा पालीटेक्निक कालेज की धीमी प्रगति पर एवं कलेक्टर में बन रहे शेडों निर्माण में अत्यधिक विलम्ब किये जाएंगे। परियोजना प्रबन्ध समिति पर जिलाधिकारी ने नराजगी व्यक्त करते हुये परियोजना प्रबन्ध समिति लोक निर्माण विभाग की निर्माण खण्ड-2 अधिशासी अभियान



सहित जिला स्तरीय अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मनरेगा की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी डीसी मनरेगा को निर्देशित किया किया ऐसे गांवों का चयन किया जाये जिसमें मनरेगा योजना की धूनराशि का कनवर्जन करके तलाब नाली खड़क्या तथा

योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे निर्माण कार्यों के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों के दृष्टिगत जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों की जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्यवाही करें। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद में कार्य कर रही कार्यादायी संस्थाओं के कार्य

हुये जिलाधिकारी ने पीएमजीईपी प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बैंकों के ऋण वेतरण में विलम्ब किये जाने से साराजगी व्यक्त की और उपायुक्त उदयोग दिनेश कुमार चौरसिया को नेंदेश दिया कि बैंकों से समन्वय कर लम्बित ऋण पत्रावलियों को निस्तारित करायें ताकि लाभार्थी समय से ऋण को नोटिस निर्गत करने का निवेदिया। जिलाधिकारी ने विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए खेल स्टेडियम, गौशाला निर्माण इंजीनियरिंग कालेज, नवीन न पंचायत भवन, आवासीय अनावसीय भवनों के निर्माण आईटीटीआईटी कालेज दांजिं

इंग्लैड तक कैसे पहुंचा सांप्रदायिक तनाव

साप्रदायक संघटन के लिए जाना जाने वाला मध्य इंग्रौड का शहर लेस्टर साप्रदायिक तनाव की वजह से चर्चा में है। लंदन से लगभग 150 किमी उत्तर और बर्मिंघम से 50 किमी पूर्व में बसे इस शहर में ताजा जनगणना के अनुसार लगभग दो लाख भारतीय और दस हजार पाकिस्तानी प्रवासी हैं। भारतीय प्रवासियों में से लगभग एक लाख मुसलमान, 75 हजार हिंदू और 25 हजार सिख हैं। शहर की कुल आबादी साढ़े पांच लाख है। भारत में विभाजन की विभीषिका से और पूर्वी अफ्रीकी देशों की हिंसा से जाना जाता है। इसी सड़क के मर्ल्टन रोड वाले छोर पर 28 अगस्त की शाम एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच के बाद हिंदू और मुस्लिम खेलप्रेमियों के बीच टकराव हुआ इंग्रौड के शहरों में खेलप्रेमियों के बीच तनाती और नारेबाजी कोई नई बात नहीं। फुटबाल मैचों के साथ भारत-पाक क्रिकेट मैचों के बाद भी नारेबाजी होना आम बात है, लेकिन 28 अगस्त और उसके बाद के तीन हफ्तों में जो हुआ, उसने लेस्टर ही नहीं, पूरे मध्य इंग्रौड के शहरों को चिंता में डाल दिया है। 28 अगस्त को मैच के बाद भारत समर्थक



भाग कर आने के बावजूद लेस्टर में आकर लोगों ने पुराने वैमनस्य भुलाकर मिल-जुलकर रहना शुरू किया कुछ ही दशकों के भीतर भारतीय प्रवासियों को लेस्टर के समृद्ध समुदाय के रूप में देखा जाने लगा। कभी मजदुरों की बस्ती कहा जाने वाले बेल्रिविया लेस्टर का क्रिकेट प्रेमियों के एक गुट ने भारतीय ध्वज के साथ बेल्रिव रोड पर विजय जुलूस निकाला। जुलूस में मुख्यतः हिंदू थे और हिंदुस्तान जिदाबाद और तंदे मातरम के नारे लगा रहे थे। इस जुलूस के विरोध में मुस्लिम खेलप्रेमियों ने भी एक जुलूस निकाला प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो अचानक एक व्यक्ति ने भारतीय

सबसे समृद्ध जोहरा बाजार बन गया, जिसे पूरे मध्य झूँडू में 'गोल्डन माइल' के रूप में जाना जाता है। गोल्डन माइल की दीपावली को विदेश की सबसे भव्य दीपावली के रूप में घोज छोनकर नाच प्रेरणा दिया। लोगों को लगा कि भारतीय झंडे का अपमान करने वाला पाकिस्तानी ही होगा, इसलिए उसकी पिटाई की और फिर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए।

तुम वरों विजय संयत प्राणा से प्राणा पर।
 रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त
 तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त,
 शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करो पूजन।
 छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनन्दन
 महाकवि निराला
 होगी जय, होगी जय के विश्वास के साथ शक्ति की मौलिक कल्पना
 के इस महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं.

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंस्टीट्यूट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का मुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंस्टीट्यूट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अध्ययन समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह वर्मकार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परीक्षण घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छात्रसंघ लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे कारिगर गठित आयोजन बोर्ड के लिए इंस्टीट्यूट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सों के रूप में सामने आए हैं। धीरं-धीरे यह रोजगार की गारंटी बताते जा रहे हैं इनकी पवर्वाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा अवसर के साथ है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विवरित हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवाएँ रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से अवैदन गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में देहों संभवानाएं हैं ऐसे में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है।

औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रक्रक्ता वरुण खराज से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के लिए इंस्टीट्यूट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के लिए एक अध्ययन समय पर परीक्षण बेहतर जो सांस्कृतिक एवं अन्य गौणितियों का संपर्क विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकनियमिक कैरेंडर, डेलीक्रेटेड टू एजन्युशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र-छात्राएँ इस समय सफलताप्राप्त कर चुकी हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के लिए आपके विवरण क्या हैं?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

एनएसआईसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षण बेहतर जो संस्कृतें सांस्कृतिक एवं अन्य गौणितियों का संपर्क विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकनियमिक कैरेंडर, डेलीक्रेटेड टू एजन्युशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के लिए आपके विवरण क्या हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एवं प्रोग्रामिंग आसिस्टेंट), फीटर,

बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैटेंसेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, रेफिल्क्रॉल टेक्निशनियन, रेफिजरेशन एंड एकर कॉलेजियन, योगा असिस्टेंट, टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशनियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

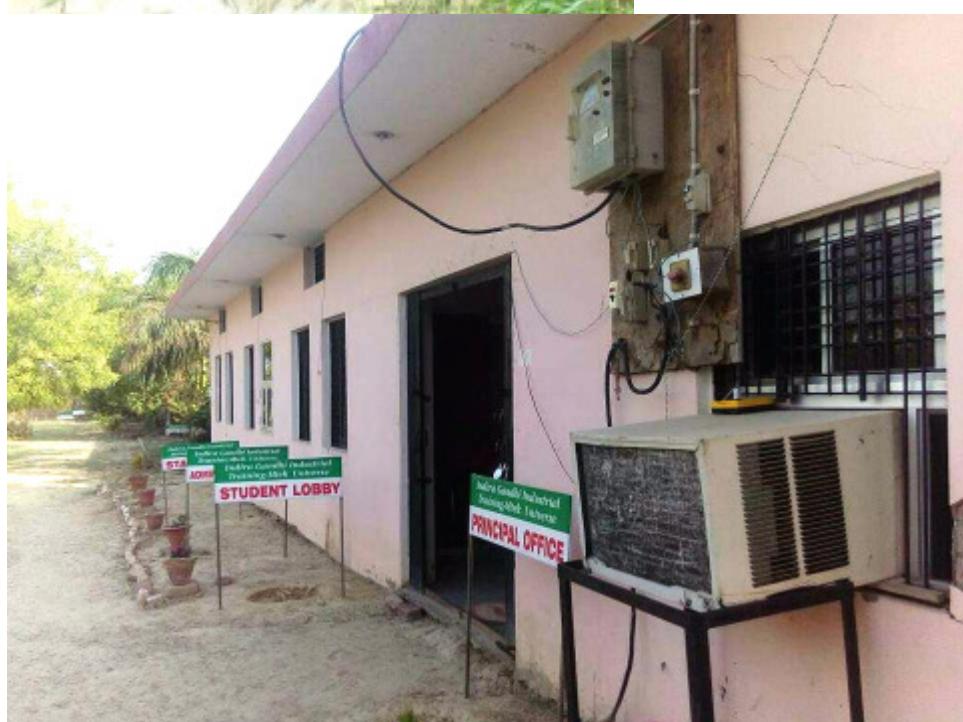
प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं समय पर परीक्षण का अप्रेशन है।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य



जस्ते गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।



आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भवोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मार्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।



अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधी प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021 में प्रारम्भ होने वाले व्यापार विद्यार्थियों द्वारा नैनी हुंजीगिरियांग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, किटर, बैरिंग कम्प्यूटिंग, बाटा एन्ट्री ऑपरेटर, फायर फ्रीगेन्वाल एन्ट्री इफ्स्ट्रुमेंट्स, सार्टिफिकेट इनजेक्शन एन्ट्री, एन्ट्रीकोर्स (रुपीयतीयोग्य), इसेजियोग्य, एन्ट्रीकोर्स, सार्टिफिकेट, ऐक्टिवरेशन एन्ट्री, एयर कंडिशनिंग, योग अशिक्षेट, बैरिंग टेक्नोलॉजी, शीट्टरएन्ट्री, प्रोजेक्शन एन्ट्री, ऑपरेशन, इलेक्ट्रोगिरियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम वैशिक योग्यता हाईस्कूल उल्लिङ्ग है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया को लिए हमारी वेबसाइट www.nainiiti.com पर यात्राना Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर आपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर आपना प्रोफेशनलिशेट करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया में प्रशिक्षणीय आपनी ईक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट जाहज प्रोटोकॉल के साथ प्रोफेशनलालय में समर्पक करें।

नोट:- प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीगांवी प्लाजा तीसरी बंजिला, एम.जी. मार्ग, शिविल लाइन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करें :- 0532-2605050, 9415608710, 6304370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274